संस्कृत विभाग

प्रश्न - पेपर ४5 — मार्क्स १००

हैम सं. प्रवेशिका पाठ १ थी 35

प्र. १ नीचे आपेला प्रश्नोमांथी कोई पण १२ ना जवाब लखवो । — मार्क्स १8

(१) विसर्ग अने अनुस्वार क्यारे लागे ?

(२) घ ने थती संज्ञाओना नाम लखवो

(3) गौण अने मुख्य नाम कोने कहेवाय ? ते जणावी साते य विभक्तिना नाम लखवो ।

(४) तृतीया विभक्ति क्यारे थाय छे ?

(5) अ नी पछी इ अने इ नी पछी अ आवे तो क्रमसर शुं शुं थाय ?

(6) केटला वर्ण अनुनासिक छे ? केटला थइ शके ?

(7) तें वर्गना थता फेरफार जणावो !

(8) चतुर्थी विभक्ति कोने कोने थाय ?

(9) पंचमी विभक्ति कोने कोने थाय ?

(१०) गुण अने वृद्धि क्यां, क्यारे, कोनी शुं थाय ?

(११) उपसर्गनी व्याख्या जणावी ते शुं शुं फेरफार करे छे ते जणावो !

(१२) न ना फेरफार जणावो

(13) एकवचन अने बहुवचन मां नाम क्यारे वपराय ?

[२] नीचेना शब्दो तथा धातुओ, लिंग विगेरे जणाववापूर्वक लखवो — मार्क्स १२

(१) रारबवुं	(6) दोडवु	(११) आभा	(१7) पक्षी
(२) बलवुं	(7) गभराववु	(१२) महावीर	(१8) लड़ाइ
(3) जाहेर करवुं	(8) खावा माटेना बधा धातुओ	(13) चडवुं	(१9) रमत
(४) चाहवुं		(१४) रस्तो	(२०) ताबे थवुं
(5) घडं	(9) लइ जवुं नी सिवाय	(15) ब्रह्मचर्य	(२१) कंटालवुं
	(१०) हेतु	(16) बोध	(२२) घणुं
(२3) लाकडी	(२४) जवा माटेना बधा धातुओ		

[3] (अ) नीचेना रूपों सिद्ध करी अर्थ लखवो । गमे ते 5 — मार्क्स 7॥

(१) व्यौष्यत — (४) समैक्षत

(२) आर्च्यत — (5) व्याहृत

(3) पर्यजयः — (6) उन्माद्यन्ति

(ब) नीचेनानी साधनिका करो। गमे ते 5 — मार्क्स 7॥

(१) जगन्ति — (४) भाषानाम्

(२) गङ्गया — (5) पुरा

(3) सौराष्ट्रेषु — (6) मित्राणि

(४) संधिविग्रह तथा संधि करो, तथा अर्थ लखो। गमे ते ५ मार्क्स १०

(१) नाहत (२) त उद्यानेऽटान्ति

(3) बालाजयहैयस्त्वम् (४)

(5) अवहत (6) लक्ष्मणात ललना अधावत्

(7) मित्रे अत्र आगच्छतः (8) ते अहन्ति

प्र. 5 (अ) नीचेना धातुना रूपो लखो मार्क्स 15

(१) उद + लुभ व. कर्म. त्री.पु. (१) अस्मद् अने युस्मद् - ए.व.

(२) आ + वह ह्य. " बी.पु. (२) तद् स्त्री ब.व. तद् पु. द्वि.व.

(3) परि + सेव ह्य. कर्त्तरी १ पु. (3) नृप - 3, 5, 7, 8

(४) वि + हृ - व. कर्त्त. द्वि.व. (४) मरुत् - द्वि.व. - ब.व.

(5) वि + आ + रम् - ब.व. (5) अप्सरस् - २-४-6-8

(ब) नीचेना जोड़कां जोड़ो

मारामां	ओम्
ताराथी	मदि
हा	मम
मारूं	त्वत्
सर्वनाम	राम
जातिवाचक	कमल
गुणवाचक	तद्
द्रव्यवाचक	प्रभृत

(क) (१) पाठ - 8 थी 15 सुधीना बधा नियमो लखो

(२) पाठ - ३२ थी ३४ ना बधा नियमो लखो

(3) पाठ 18 - 19 ना नियमो लखो

प्र. 6 नीचेना वाक्यो लखो

(१) वत्साटोनाटोवाधुनेह

(२) मयोद्यानमगम्यतायार्य तत्रौष्यताश्वोऽधुना

(3) हरवा माटे माया करीने रावणे सीताने त्यारे बे हाथ वडे लइने विमान मां मूकी (विमान माटे यान)

(४) शा माटे तमारा वडे त्यांथी आवीने अहीयां रहेवायु ए प्रमाणे तेना वडे मने पूछायु।

अक्षर शुद्धि ना २ मार्क्स